1. कक्कू

नाम है उसका कक्कू।
कक्कू माने कोयल होता
लेकिन यह तो दिनभर रोता
इसीलिए हम इसे चिढ़ाते
कहते इसको सक्कू
नाम है उसका कक्कू।

कोयल, माने मिसरी जैसी
मीठी जिसकी बोली
यह तो जाता भड़क, करो जब
इससे तनिक ठिठोली
इसीलिए तो कभी-कभी हम
कहते इसको भक्कू
नाम है उसका कक्कू।

कक्कू वह जो गाना गाए
बात-बात में जो चिढ़ जाए
रहता मुँह जो सदा फुलाए
गाना जिसको ज़रा न आए
ऐसे झगड़ालू को अब से
क्यों न कहें हम झक्कू
नाम है उसका कक्कू।

रमेशचंद्र शाह

नाम ही नाम

- तुम अपना नाम लिखो और बताओ कि तुम्हारे नाम का क्या मतलब है?

तुम्हारे कितने नाम

तुम्हें लोग और किन-किन नामों से बुलाते हैं?

प्यार वाला नाम	चिढ़ाने वाला नाम	दोस्तों का दिया नाम
....	....	....
....	....	....

- सोचो और लिखो कि किसी-किसी को नीचे दिए गए नामों से क्यों बुलाया जाता होगा?

गप्पू ....

भोली ....

छुटकी ....

गोलू ....
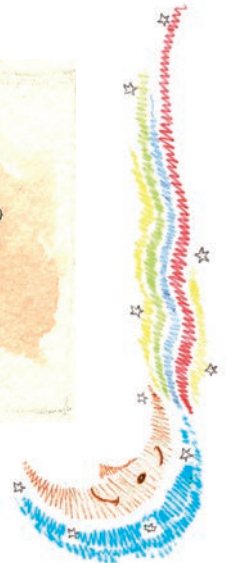
- अब बताओ तुम्हारा कौन-सा दोस्त, कौन-सी सहेली

भक्कू है ....

झक्कू है ....

गप्पू है ....

अब कविता का समय

कक्कू वह जो सदा हँसाए

रोना उसे ज़रा न ....

चिड़िया के संग गाना ....

संग मोर के ....

इसीलिए तो कभी-कभी हम

कहते उसको .... ।

कक्कू कैसा है?

कक्कू कोयल जैसा क्यों नहीं है? लिखो।

....

....

....

नामों की रेल

पाँच-पाँच बच्चों की टोली बना लो। अब अपनी-अपनी टोलियों के बच्चों के नाम रेल के डिब्बों में लिखो।

वर्णमाला याद है न? चलो, अब इन नामों को वर्णमाला के हिसाब से क्रम में लगाते हैं।

....

चिढ़ाना

क्या तुम्हें भी कोई चिढ़ाता है? तब तुम्हें कैसा लगता है?कक्षा में चर्चा करो।

गेंद का मन

राजेन्द्र धोड़पकर